डा.राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170- सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य लोक लेखा समिति एवं
सदस्य पुलिस स्थायी समिति

बी-1203, बी-ब्लाक, बहुखण्डीय
मंत्री आवास, बटलर रोड, डालीबाग,
क-7 No. 591495 लखनऊ-226001

पत्रांकः RS/4697/MIN/26 दिनांकः 21-05-2026

सेवा में,

माननीय ऊर्जा मंत्री जी,

उत्तर प्रदेश।

विषय: लखनऊ में विद्युत आपूर्ति की वर्तमान एवं विगत वर्ष की समस्याओं के समग्र विश्लेषण के आधार पर स्थायी कार्ययोजना बनाए जाने के संबंध में।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि लखनऊ सहित अनेक क्षेत्रों में वर्तमान भीषण गर्मी के दौरान विद्युत आपूर्ति की स्थिति गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। बार-बार बिजली बाधित होना, low voltage, transformer overload, feeder tripping, underground cable faults, fuse failure तथा शिकायतों के निस्तारण में देरी के कारण आम जनता में असंतोष बढ़ रहा है। यह समस्या केवल वर्तमान season की नहीं है, बल्कि पिछले वर्ष भी गर्मी के दौरान कई क्षेत्रों में इसी प्रकार की शिकायतें सामने आई थीं। इसलिए इस वर्ष की ongoing complaints और पिछले वर्ष की समस्याओं को साथ रखकर detailed analysis किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

विशेष रूप से मेरे विधानसभा क्षेत्र सरोजनी नगर के अंतर्गत निम्न पावरहाउस क्षेत्रों में सबसे अधिक विद्युत समस्याएं सामने आ रही हैं। इन क्षेत्रों में लगातार low voltage, repeated tripping, transformer overload तथा लंबे समय तक बिजली बाधित रहने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिससे स्थानीय जनता को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है–

1. **उतरेठिया पावरहाउस:**
   देवी खेड़ा, पवन पुरी, अंबेडकर पुरम, सरपतगंज, कुबेर बगिया, गांधी नगर, रतींद्रनगर, बल्देवविहार, शुभानीखेड़ा, ब्राह्मणटोला, राजीवनगर, घोषियाना, नटखेड़ा, डूडा कालोनी, सैनिक नगर, बंगालीटोला, नीलमत्था, नई बस्ती बाजार, कटेहरी बाग, विजय नगर, रेवतापुर, भगवंतनगर एवं दुर्गापुरी।
2. **BBAU पावरहाउस:**
   बिजनौर, रॉयल सिटी, हिमालयन कॉलोनी एवं नटकुर।

मो. : 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई-मेल: officeofrajeshwarsingh@gmail.com

डा.राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170- सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य लोक लेखा समिति एवं
सदस्य पुलिस स्थायी समिति

बी-1203, बी-ब्लाक, बहुखण्डीय
मंत्री आवास, बटलर रोड, डालीबाग,
क-7 No. 591496 लखनऊ-226001

पत्रांकः

दिनांकः

3. **नादरगंज पावरहाउस:**
   शांतिनगर, पंडित खेड़ा, अमौसी, गौरी एवं संतकबीरनगर।
4. **गहरू पावरहाउस:**
   पिपरसंड, गढ़ी चुनौटी, गहरू, दरोगा खेड़ा, कृष्ण लोक कॉलोनी एवं बंथरा।
5. **बनी पावरहाउस:**
   रहीमनगर पड़ियाना, बनी, कटी बगिया, हरौनी, सराय शहज़ादी, पहाड़पुर, खसरवारा, नीवा, बीबीपुर, नारायणपुर, लतीफनगर एवं बेंती।

देश में heatwave के कारण बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रही है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार भारत की peak power demand लगभग 265.4 GW तक पहुंच गई है और Power Ministry द्वारा summer peak demand लगभग 270 GW तक जाने का अनुमान व्यक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी demand 27,000 MW से अधिक पहुंचने की रिपोर्ट सामने आई है। ऐसी स्थिति में लखनऊ जैसे तेजी से बढ़ते शहरों में local distribution infrastructure पर अत्यधिक दबाव पड़ना स्वाभाविक है।

लखनऊ में समस्या केवल बिजली उपलब्धता की नहीं, बल्कि local distribution network की capacity और reliability की है। कई स्थानों पर transformers और feeders पुराने load estimates पर कार्य कर रहे हैं, जबकि वास्तविक load नए residential areas, apartments, commercial establishments, AC usage, pumps और future EV demand के कारण कई गुना बढ़ चुका है। इसी कारण heatwave के दौरान transformers fail होते हैं, feeders trip करते हैं, voltage fluctuate होता है और repair के बाद भी repeated faults सामने आते हैं।

यह भी गंभीर विचारणीय है कि जब यह समस्या हर वर्ष गर्मी के मौसम में दोहराई जा रही है और हर साल जनता को बिजली कटौती, low voltage, transformer failure तथा delayed repair जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो Chairman, UPPCL स्तर से senior officers की एक dedicated quick response team पहले से क्यों गठित नहीं की गई। इस विषय को भी गंभीरता से देखा जाना चाहिए। ऐसे crisis period में केवल junior field

मो. : 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई-मेल: officeofrajeshwarsingh@gmail.com

डा.राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170- सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य लोक लेखा समिति एवं
सदस्य पुलिस स्थायी समिति

बी-1203, बी-ब्लाक, बहुखण्डीय
मंत्री आवास, बटलर रोड, डालीबाग,
क-7 No. 591497 लखनऊ-226001

पत्रांकः दिनांकः

staff पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। senior officers की zonal monitoring team बनाकर उन्हें field में जाकर शिकायतें सुनने, fault-prone areas का निरीक्षण करने, repair response time की समीक्षा करने और immediate corrective action सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

इस स्थिति में जनता की नाराज़गी स्वाभाविक रूप से स्थानीय सांसदों एवं विधायकों के प्रति भी बढ़ती है, जबकि ऐसे संकट में वे कई बार स्वयं को असहाय महसूस करते हैं और इसमें उनकी कोई व्यक्तिगत गलती नहीं होती। जनता अपनी समस्या सबसे पहले अपने जनप्रतिनिधियों के सामने रखती है, लेकिन यदि local power planning और corrective action में जनप्रतिनिधियों से चर्चा नहीं होती, तो जनता की वास्तविक समस्याएं पूरी तरह system तक नहीं पहुंच पातीं। इसलिए local electricity plans बनाते समय संबंधित सांसदों एवं स्थानीय विधायकों से अनिवार्य रूप से चर्चा की जानी चाहिए, ताकि क्षेत्रीय वास्तविकताओं, recurring complaints और जनता की प्राथमिकताओं को सही ढंग से शामिल किया जा सके।

अतः आपसे निवेदन है कि Chairman, Uttar Pradesh Power Corporation Limited को निर्देशित करने की कृपा करें कि लखनऊ की विद्युत व्यवस्था पर एक comprehensive review कराया जाए, जिसमें पिछले वर्ष की complaints, इस वर्ष की ongoing complaints, newspaper reports, call centre data, substation registers, transformer failure records, feeder outage history, low voltage complaints और public grievances—सभी को शामिल किया जाए। किसी भी छोटी या बड़ी शिकायत को नजरअंदाज न किया जाए, क्योंकि कई बार छोटी recurring complaints ही बड़े infrastructure failure का संकेत देती हैं।

विशेष रूप से यह आवश्यक है कि प्रत्येक क्षेत्र में complaint-wise mapping कराई जाए। किस locality में कितनी बार बिजली गई, किस transformer पर बार-बार overload हुआ, किन feeders पर repeated tripping हुई, किन इलाकों में low voltage की शिकायतें लगातार आईं, किन क्षेत्रों में cable faults बार-बार हुए, कहां repair में अधिक समय लगा, कहां public

मो. : 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई-मेलः officeofrajeshwarsingh@gmail.com

डा.राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170-सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य लोक लेखा समिति एवं
सदस्य पुलिस स्थायी समिति

बी-1203, बी-ब्लाक, बहुखण्डीय
मंत्री आवास, बटलर रोड, डालीबाग,
क-7 No. 591498 लखनऊ-226001

पत्रांकः

agitation या substation gherao की स्थिति बनी–इन सभी बिंदुओं का factual analysis कराकर root cause तय किया जाए।

साथ ही यह भी देखा जाए कि पिछले वर्ष जिन क्षेत्रों में समस्या आई थी, वहां इस वर्ष क्या preventive action लिया गया था। यदि वही क्षेत्र इस वर्ष फिर प्रभावित हो रहे हैं, तो इसका अर्थ है कि केवल temporary repair हुआ, स्थायी समाधान नहीं किया गया। ऐसे मामलों में concerned officers की accountability तय की जानी चाहिए और permanent corrective measures तुरंत लागू किए जाने चाहिए।

लखनऊ के लिए स्थायी कार्ययोजना बनाते समय निम्न बिंदुओं को विशेष रूप से शामिल किया जाना चाहिए:

1. पिछले वर्ष और वर्तमान वर्ष की सभी complaints का feeder-wise, transformer-wise और locality-wise analysis कराया जाए।
2. प्रत्येक छोटी-बड़ी शिकायत को record में लेकर उसका root cause तय किया जाए।
3. repeated complaints वाले areas को priority red-zone में रखा जाए।
4. overloaded transformers की सूची बनाकर higher capacity transformers अथवा additional transformers लगाए जाएं।
5. जिन feeders पर बार-बार tripping हो रही है, वहां feeder balancing और load redistribution कराया जाए।
6. low voltage areas में cable size, transformer capacity और distance from source का technical audit कराया जाए।
7. underground cable faults वाले क्षेत्रों में GIS mapping और modern fault locator machines का उपयोग किया जाए।
8. complaint response time का analysis कराकर delayed repair cases में accountability तय की जाए।
9. heatwave months के लिए 24x7 emergency teams, spare transformers, cables, fuse units और mobile repair vans उपलब्ध रखी जाएं।

मो. : 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई-मेल: officeofrajeshwarsingh@gmail.com

डा.राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170- सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य लोक लेखा समिति एवं
सदस्य पुलिस स्थायी समिति

बी-1203, बी-ब्लाक, बहुखण्डीय
मंत्री आवास, बटलर रोड, डालीबाग,
क-7 No. 591499 लखनऊ-226001

पत्रांकः

दिनांकः

10. Chairman, UPPCL द्वारा senior officers की quick response teams गठित की जाएं, जो crisis period में field inspection, public hearing और immediate decision-making करें।
11. प्रत्येक substation पर public grievance desk बनाया जाए और complaint status की real-time monitoring हो।
12. consumer को complaint दर्ज होने के बाद expected restoration time SMS/WhatsApp से बताया जाए।
13. AI-based load forecasting और feeder-wise real-time monitoring system विकसित किया जाए।
14. नए residential और commercial projects को power load plan, transformer capacity और feeder capacity के आधार पर ही clearance दी जाए।
15. sanctioned load से अधिक consumption, domestic connection पर commercial load, meter bypass और बिजली चोरी पर evidence-based action किया जाए।
16. public awareness campaign चलाकर AC 24–26°C पर चलाने, peak hours में unnecessary load कम करने और sanctioned load सही कराने की अपील की जाए।
17. rooftop solar, battery backup, smart meters और energy-efficient appliances को बढ़ावा देने के लिए local policy बनाई जाए।
18. local electricity improvement plan final करने से पहले संबंधित सांसदों एवं विधायकों के साथ बैठक कर उनके क्षेत्र की शिकायतों, priorities और public concerns को शामिल किया जाए।

महोदय, यह भी आवश्यक है कि plan केवल files और meetings तक सीमित न रहे। प्रत्येक division और substation से time-bound action plan लिया जाए। किस transformer को कब बदला जाएगा, कौन सा feeder कब balance होगा, किस locality में cable replacement कब होगा, किस area में नया

मो. : 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई-मेलः officeofrajeshwarsingh@gmail.com

डा.राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170- सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य लोक लेखा समिति एवं
सदस्य पुलिस स्थायी समिति

बी-1203, बी-ब्लाक, बहुखण्डीय
मंत्री आवास, बटलर रोड, डालीबाग,
क-7 No. 591500 लखनऊ-226001

पत्रांकः

दिनांकः

substation या additional transformer आवश्यक है–इन सभी बिंदुओं पर clear timeline तय की जाए।

जनता की शिकायतों को केवल isolated complaints न माना जाए, बल्कि उन्हें infrastructure planning का सबसे महत्वपूर्ण data source माना जाए। यदि किसी मोहल्ले से बार-बार low voltage, tripping या transformer overload की शिकायत आती है, तो वह केवल public grievance नहीं बल्कि system warning signal है। ऐसी शिकायतों को serious technical input के रूप में लेकर future planning की जानी चाहिए।

अतः आपसे निवेदन है कि Chairman, UPPCL को निर्देशित करने की कृपा करें कि लखनऊ में पिछले वर्ष और वर्तमान वर्ष की सभी विद्युत शिकायतों का comprehensive analysis कराकर एक detailed, time-bound और accountable action plan तैयार कराया जाए। साथ ही senior officers की quick response teams तत्काल गठित कर field level पर सक्रिय की जाएं तथा local plans बनाते समय सांसदों एवं विधायकों से भी चर्चा कर जनता की वास्तविक समस्याओं को शामिल किया जाए, ताकि वर्तमान गर्मी में जनता को तत्काल राहत मिले और आने वाले वर्षों के लिए मजबूत, modern और reliable electricity distribution system तैयार हो सके।

कृपया विषय की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभावी कार्यवाही कराने की कृपा करें।

संलग्नक: समाचार पत्रों की कटिंग।

सादर,

भवदीय,

(डॉ. राजेश्वर सिंह)

मो. : 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई-मेल: officeofrajeshwarsingh@gmail.com

Annexure

विदेशों में ऐसे बिजली संकट को केवल "repair complaint" की तरह नहीं देखा गया, बल्कि heatwave emergency, demand management और distribution-modernisation issue मानकर अलग schemes/projects बनाए गए। UP/Lucknow के लिए भी ऐसे models उपयोगी हो सकते हैं।

1. California, USA — Flex Alert Model

California में heatwave और peak demand के समय "Flex Alert" जारी किया जाता है, जिसमें जनता से शाम के peak hours में AC temperature बढ़ाने, heavy appliances न चलाने और unnecessary load कम करने की अपील की जाती है। 2022 में emergency alert के बाद demand forecast से करीब 2,100 MW कम हो गई थी। लखनऊ में भी heatwave days पर evening peak के लिए "Power Discipline Alert" शुरू किया जा सकता है, जिसमें SMS, WhatsApp, media और local representatives के माध्यम से जनता से 6 PM–10 PM load कम करने की अपील हो।

2. USA — FLISR Distribution Automation

अमेरिका में FLISR यानी Fault Location, Isolation and Service Restoration technology का उपयोग fault को तुरंत locate करने, affected area को isolate करने और alternate route से supply restore करने के लिए किया जाता है। US Department of Energy के अनुसार यह system automated feeder switches, reclosers, line monitors, SCADA, DMS और outage management systems के माध्यम से outage का impact और duration कम करता है। Lucknow में worst-affected feeders पर FLISR pilot शुरू किया जा सकता है, ताकि fault आने पर पूरा क्षेत्र अंधेरे में न जाए और supply जल्दी restore हो।

3. Delhi — Digital Twin / Smart Monitoring Model

Delhi में power distribution के लिए digital twin model का pilot किया गया है, जिसमें SCADA, GIS, IoT sensors और smart meters को जोड़कर real-time dashboard बनाया जाता है। इससे abnormal load, transformer stress और likely fault points पहले detect किए जा सकते हैं। Lucknow में LESA/MVVNL के लिए feeder-wise digital twin dashboard बनाया जा सकता है, जिसमें हर transformer का load, temperature, fault history और complaint data live दिखाई दे।

4. Singapore — District Cooling Model

Singapore में Marina Bay जैसे high-density commercial areas में district cooling system लागू किया गया है, जिससे conventional building-wise AC systems की तुलना में energy consumption में 20–30% तक savings बताई गई है। Singapore में air-conditioning total electricity demand का बड़ा हिस्सा है, इसलिए cooling efficiency को energy security का हिस्सा माना गया। Lucknow में airport corridor, malls, IT parks, large townships, institutional campuses और commercial hubs में district cooling या common cooling infrastructure को future planning में जोड़ा जा सकता है।

5. Japan — Top Runner Energy Efficiency Programme

Japan का Top Runner Programme appliances और equipment की energy efficiency सुधारने का सफल national model है। IEA के अनुसार यह Japan का मुख्य energy-efficiency programme है, जिसमें manufacturers को best available technology के आधार पर efficiency standards meet करने होते हैं। Lucknow/UP में भी ACs, pumps, fans, chillers, motors और commercial cooling systems के लिए star-rating awareness, incentive और inefficient appliances replacement campaign चलाया जा सकता है।

6. Emergency Senior Officer Response Model

कई विकसित grid systems में crisis period के दौरान senior-level control rooms और incident command systems बनाए जाते हैं, जहां outage, field repair, public communication और resource deployment की real-time monitoring होती है। Lucknow

मैं Chairman, UPPCL द्वारा heatwave season के लिए senior officers की quick response teams बनाई जानी चाहिए, जो zone-wise field visit करें, जनप्रतिनिधियों से feedback लें, substation-wise complaint review करें और immediate decisions लें।

7. Lucknow के लिए लागू करने योग्य योजना

Lucknow में foreign models को copy करने के बजाय local conditions के अनुसार adapt करना चाहिए। Heatwave के लिए California जैसा public demand alert, fault reduction के लिए US जैसा FLISR, monitoring के लिए Delhi जैसा digital twin, high-load commercial areas के लिए Singapore जैसा district cooling, और household load reduction के लिए Japan जैसा energy-efficient appliance campaign लागू किया जा सकता है। इसके साथ हर year की complaints, last year के fault records, transformer failures, low-voltage areas, cable faults और public grievances का feeder-wise analysis होना चाहिए।

विदेशों से सबसे बड़ी सीख यह है कि बिजली संकट का समाधान केवल "बिजली खरीदने" से नहीं होता। Demand को manage करना, faults को automate करना, cooling load घटाना, public को involve करना, senior officers की accountability तय करना और local data के आधार पर investment करना जरूरी है। Lucknow के लिए भी यही रास्ता practical और sustainable है।

नोकझोंक भीषण गर्मी के बीच मंगलवार देर रात से कृपाधर दीपहर तक शहर के अधिकांश क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई। गर्मी से लोग परेशान हो गए। अखिलेश्वर के लोग उपकेंद्र पहुंच गए और कर्मचारियों से नोकझोंक करने लगे।

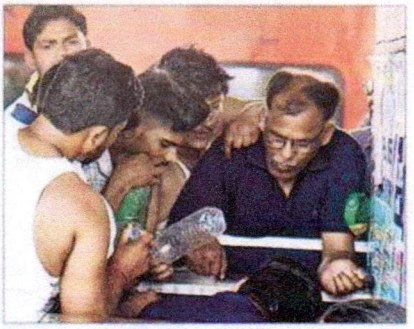

लाचारी भीषण गर्मी में ट्रेन की चाह आखी कटकारी हो गई है। कृपधार को जैसे ही खरहाना रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रुकी, पानी के लिए यात्री उमड़ पड़े।

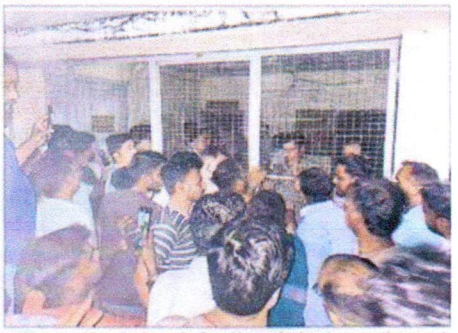

आक्रोश उतरेटिया उपकेंद्र में देर रात बिजली गुल होने पर स्थानीय लोग उपकेंद्र पहुंच गए और हंगामा करने लगे। पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। देर रात तक आपूर्ति चालू नहीं हो पाई।

आधी रात को मोहान रोड जाम, महिलाओं और कर्मचारियों में झड़प, गेट में ताला डालकर कर्मचारी भागे, उतरेटिया में भी घेराव

बिजली संकट पर फूटा गुस्सा, उपकेंद्रों पर बवाल

हंगामा

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। राजधानी में बिजली संकट ने विकराल रूप धारण कर लिया है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक उमस-उमस मचेती है। भीषण कटौती और लो-वोल्टेज से बेहाल जनता का गुस्सा अब सड़कों पर उतर आया है। अमहोन, अखिलेश्वर, लौलाई और जानकीपुरम, उतरेटिया, सोमतीनगर विस्तार के सेक्टर 5, समेत कई उपकेंद्रों पर आधी रात को उग्र भीड़ ने घाक घोलकर घेराव, चक्काजाम और धरना-प्रदर्शन किया, पुलिस ने लोगों को खदेड़ा। फैजुल्लागंज में महिलाओं की कर्मचारियों से झड़प हुई, तो वहीं अंबेडकर उपकेंद्र में गुस्से में कर्मचारी भाग खड़े हुए।

केसोबाग, आलमबाग, इंदिरानगर, सोमतीनगर, विभूतिखंड, अलीगंज, आशियाना सहित शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में बिजली कटौती के लो-वोल्टेज से लोग बेहाल दिखे।

लालकटोरा के अण्डर उपकेंद्र में बीती रात ढेढ़ बजे 33 केवी का ट्रांसफार्मर जल गया। इससे कई इलाके में बिजली गुल हो गई। इससे भड़के नाराज लोगों ने उपकेंद्र पर धावा बोल दिया। काफल बढ़ने पर कर्मचारियों ने मौके से भाग खड़े हुए।

कांशीराम कॉलोनी के लौलाई उपकेंद्र में मंगलवार देर रात बिजली गुल हो गई। देर रात उपभोक्ता उपकेंद्र पहुंच गए और हंगामा किया।

उतरेटिया, अंबेडकर उपकेंद्र पर भीड़ का हंगामा

सोमतीनगर डिवीजनसइड उपकेंद्र में रात एक बजे अंडरग्राउंड केबल फाल्ट हो गया। इससे डिनायकर्स- एक, दो व तीन में बिजली गुल हो गई। आधी रात बिजली न आने से लोग बेहाल हो गए। लोगों ने उपकेंद्र पर फोन किया। इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। विधेरपुरवा नगर में ट्रांसफार्मर में आग लग गई। सावरेली रोड स्थित न्यू उतरेटिया, ओल्ड उतरेटिया और अंबेडकर उपकेंद्र पर रात करीब 11:30 बजे लगभग 300 लोगों की भीड़ ने हंगामा किया। पांच थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। देर रात आपूर्ति सामान्य नहीं हो पाई।

लौलाई उपकेंद्र का घेराव, कर्मी भागे

लौलाई स्थित कांशीराम कॉलोनी में बीती रात करीब 11 बजे बिजली ठप हो गई। इससे परेशान लोगों ने उपकेंद्र पर फोन किया, पर कुछ नहीं हुआ। इससे नाराज लोगों ने हंगामा किया। बवाल बढ़ने पर कर्मचारी उपकेंद्र से भाग गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। एसडीएम चीनर खंडल ने बताया कि बिजली करीब 2:30 बजे चालू हो गई।

11:00 बजे रात
कांशीराम कॉलोनी में बिजली सप्लाई ठप हो गई।

02:30 बजे रात
लोगों के हंगामा काटने के बाद बिजली चालू हो गई।

03:30 बजे दोपहर
कृपधार को ग्लटेक्रा में गुल हुई बिजली शाम सात बजे आई।

01:30 बजे रात
कलक्ट्रेट हाउस के सामने ट्रांसफार्मर की पेटी में आग लग गई।

विधायक भड़के, तालकटोरा में प्रदर्शन

पुराने लखनऊ में बिजली संकट से नाराज विधायक अरमान खान ने गुरुवार को तालकटोरा अधिशासी अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान डायरेक्ट पर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। विधायक ने आरोप लगाया कि पुराने लखनऊ में पिछले 10 दिनों से भीषण बिजली संकट है। उपकेंद्रों पर कोई सुनने वाला नहीं है। टोल फ्री 1912 पर शिकायतें का फर्जी निस्तारण होता है। इससे बच्ची, बुजुर्गों को काफी दिक्कत होती है। करीब डेढ़ घंटे बाद एसडीएम स्वप्न वार्ष्णेय डायर पहुंचे। वहीं उन्होंने आश्वासन मिलने के बाद विधायक धरना समाप्त किया। अधिशासी अभियंता अजय यादव ने कहा कि बिजली की आपूर्ति को कारोबार दौड़ हो गया है।

पुराने लखनऊ में बिजली संकट से नाराज विधायक अरमान खान ने गुरुवार को तालकटोरा अधिशासी अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

मौसम का हाल

लखनऊ का पारा 43° के पार, राहत के आसार नहीं

लखनऊ। तापमान ने फिर लखनऊ को झुलसाया। कृपधार को शाम में जमी पारे के साथ ही तापमान तेजी से चढ़ा। दिन में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस सीजन में दूसरी बार का सर्वाधिक अधिकतम तापमान रहा।

साथ ही न्यूनतम तापमान ने भी कहीसली दर्ज की गई। यह सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक 28.8 दर्ज किया गया। अधिकांश स्थान मौसम मुख्यालय के अनुसार, मध्य भारत के ऊपर चक्रवात पति-चक्रवात की स्थिति और गर्म पछुआ हवाओं के चलते मौसम की यह स्थिति हुई है। विशेषज्ञों अगले दो दिन इस भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं है। ऐसा ही रात का तापमान ज्यादा रहने से लोग कैसे सो पाएंगे मालूम करेंगे।

- तीपश ने फिर लखनऊ को झुलसाया, तापमान तेजी से ऊपर चढ़ा
- अभी अगले दो दिन तक मौसम की बेरुखी जारी रहेगी, तीपश बनी रहेगी

मौसम का पूर्वानुमान

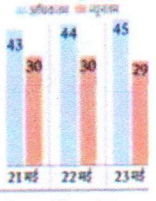

'नौतपा' 25 मई से, सबसे गरम दिन होंगे

लखनऊ संवाददाता। मई की भीषण गर्मी से लोग घबराने ही लगते हैं। झिलसिलाती धूप, लू के थपेड़ों और प्रचंड गर्मी के बीच अब 25 मई से दो जून तक वर्ष के सबसे गर्म नौ दिन यानी नौतपा की शुरुआत होने जा रही है। पंचांग के अनुसार 25 मई से सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिससे सूर्य की किरणें सीधा धरती पर पड़ेंगी है। यही कारण है कि इन दिनों में प्रचंड गर्मी अपने चरम पर पहुंच जाती है। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि ज्येष्ठ माह में सूर्य देव के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के बाद के शुरुआती नौ दिन सबसे अधिक गर्म माने जाते हैं, जिन्हें नौतपा कहा जाता है।

जितनी भीषण गर्मी, उतना बरसेगा मानसून

नौतपा के नौ दिनों में पड़ने वाली गर्मी व इन दिनों मौसम में आए बदलाव से कई तरह के अनुमान भी लगाए जाते हैं। मान्यता है कि नौतपा के दौरान जितनी अधिक गर्मी पड़ती है, उतनी ही अच्छी बारिश मानसून में होती है।

नौतपा में पानी, सतू, फलों का दान पुण्यदायी

ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि नौतपा में सूर्य देव की अर्घ्य देने, प्याऊ लगवाना और पानी, शरबत, सतू, मिट्टी के बर्तन, छाता, सूती वस्त्र, हाथ के पंखे व मौसमी फलों का दान करना, पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना पुण्यदायी माना जाता है।

लापरवाही पर कार्रवाई होगी: गोयल

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। भीषण गर्मी के बीच राजधानी को बिजली सप्लाई दुरुस्त करने के लिए पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन डा. आशीष गोयल ने कृपधार को मुख्यालय पहुंचकर लंबा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि राजधानी होने के नाते लेसा की जिम्मेदारी बढ़ी है, इसलिए यहां ट्रिपिंग खिलेन और उच्चस्तरीय आकस्मिक सुविधित की जाए। काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को कत्तई बर्दाश्त नहीं करेंगे निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मुख्य अभियंता ने बताया कि रात 10 बजे के बाद अचानक लोड बढ़ने से ग्रिड टैम पर दो ट्रांसफार्मर जल गए। इसके बाद 33 केवी ग्रिड से बिजली आपूर्ति बहाल की गई।

पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल ने मंगलवार निगम मुख्यालय में कृपधार को बिजली आपूर्ति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए।

लखनऊ में बिजली की खपत (मेगावाट)

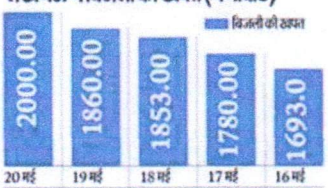

159 बिजली उपकेंद्र हैं लेसा में

04 बिजली जोन हैं लेसा में

- लखनऊ सेंट्रल अमौसी, गोमतीनगर और जानकीपुरम

14.90 लाख उपभोक्ता हैं लेसा में

दो लाख आबादी की आज बत्ती गुल रहेगी

लखनऊ। राजधानी में गुरुवार को कानपुर मार्केट, इंदिरानगर, हरीनारायण चौपुलिया सहित कई इलाकों में बिजली सप्लाई ठप रहेगी। लेसा उपकेंद्रों के फीडर चतुरसमामेंटो को मरम्मत करेगा। इससे करीब दो लाख आबादी प्रभावित रहेगी। महानगर सुभाष पार्क उपकेंद्र में सुबह नौ घंटे से दोपहर दो घंटे तक बिजली गुल रही। इंदिरानगर सेक्टर-14 ओल्ड में सुबह छह से सात बजे तक बिजली बंद रहेगी। पुराने लखनऊ के पंडारपुर उपकेंद्र में सुबह सात से आठ बजे बिजली बंद रहेगी। इसमें चारक नगर, सुलतान फार्म, पीरबुखारा, काली जी, तुर्रा देवी मार्ग, मोतीमोहल्ला सीपिया रोड प्रभावित रहेगा।

हाईटेंशन लाइन पर काम कर रहा कर्मी गिरा, मौत

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। फैजुल्लागंज क्षेत्र में कृपधार शाम हाईटेंशन लाइन पर मरम्मत कार्य करने के दौरान पोल से गिरकर संविदा बिजलीकर्मी की मौत हो गई।

उदयराज फैजुल्लागंज उपकेंद्र में संविदाकर्मी के रूप में तैनात थे। कृपधार शाम करीब सात बजे 11 केवी लाइनपुर फीडर अचानक ब्रेकडाउन हो गया। उदयराज एसडीओ से चाकाचपट लाइटमैन लेकर बिजली पोल पर फाल्ट ठीक करने के लिए चढ़ा। जैसे ही वह खंभे पर ऊपर पहुंचा, तेज धमाका हुआ और वह सीधे जमीन पर आ गिरा। साथी कर्मचारी उदयराज को ट्रॉमा सेंटर लेकर भागे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एसडीओ रोड पावर हाउस के तहत मौहल्ला सिटी इलाके में मंगलवार रात में बने से बिजली न आने से गुस्साए लोगों ने बुद्धेश्वर चौराहे पर जाम लगा दिया।

दो दिनों से बिजली ठप होने पर मोहान रोड जाम, हंगामा

काकोरी। शकुंतला मिश्रा उपकेंद्र के अंतर्गत आने वाली जानकी नगर, हर्ष नगर और पूर्वोदय विहार समेत दर्जनों कॉलोनियों के उपभोक्ता कई दिनों से जारी बिजली संकट से नाराज होकर मंगलवार देर रात सड़कों पर उतर आए। भीषण गर्मी और उमस के बीच एसी-पंखी केवल नालने और फोन उठाने की वजह से घंटों गुल रही। नाराज सैकड़ों उपभोक्ता अहमेंद्र ट्रैक्टर गोमती के पास मोहान रोड पर सीढ़ियां और बल्लियां लगाकर जाम लगा दिया। इससे सड़क पर लंबा जाम लग गया।

42 घंटे से अधिक अंधेरे में जनता विहार कॉलोनी

एक्सईएन उपकेंद्र के तहत जनता विहार कॉलोनी रिकॉर्ड 42 घंटे से अधिक समय से अंधेरे में डूबी रही। गर्मी और बिजली की दिक्कतों से बेहाल निवासियों ने उपकेंद्र का घेराव भी किया। एसडीओ मंटोश वर्मा ने बताया कि कॉलोनी में नई एबी केबल डालने का काम चल रहा है, वहीं मौहल बिजी कॉलोनी में एबीसी में आग लग गई।

साल भर से नहीं बदला गया जला ट्रांसफार्मर

बदहाली

लखनऊ। लेसा के सहरा नगर विभाग (बिजलीघर) की अयोध्यापुरी फेज-2 में सहान थर पहले जला ट्रांसफार्मर न बदले जाने से स्थानीय निवासी बेहाल हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि करीब ₹25 लाख की लागत का यह ट्रांसफार्मर विभाग सम्मान के जाम पर ले गया, लेकिन आज तक वापस नहीं लगाया।

दो जेई बदले पर सिर्फ खोखले आश्वासन मिले। अधिकारी फोन बंद रखते हैं और अस्थायी मरम्मत से काम चला रहे हैं।

तेलीबाग में 17 घंटे ठप रही सप्लाई

अट्टान उपकेंद पर शिकायत लेकर पहुंचे उपभोक्ता।

तेलीबाग क्षेत्र में ट्रांसफार्मर और केबल फुकने से कई मोहल्लों में 17 घंटे तक बिजली गुल रही। मंगलवार रात से बुधवार तक लोग भीषण गर्मी और उमस में तड़पने को मजबूर रहे। नाराज उपभोक्ताओं ने उतरेटिया अंडर और न्यू उतरेटिया पर जमकर हंगामा किया, जहां कर्मचारियों को बंधक बनाए जाने की भी खबरें रहीं। बनवीर विहार और राम टोला खरिका समेत कई इलाकों में केबल बनाकर और आग लगने से संकट गहरा गया। स्थानीय लोगों ने विधायक राजेश्वर सिंह से शिकायत की है, वहीं जेई ने सड़क की कमी को देरी की वजह बताया।

ट्रक की टक्कर से ट्रांसफार्मर में लगी आग

गोसाईगंज। गोसाईगंज के महुराकलां गांव के पास मंगलवार को एक ट्रक ने बिजली के ट्रांसफार्मर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रांसफार्मर खंभे सहित जमीन पर गिर गया और उसमें आग लग गई। सामीणों ने सूचनादेव दिखाते हुए मिट्टी और बालू डालकर आग पर काबू पाया। इस हादसे से गांव के करीब 150 उपभोक्ताओं की बिजली ठप है। 24 घंटे बीतने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। बिजली उपकेंद्र पर शिकायत करने पर ग्रामीणों को जवाब मिला कि फोन उठाकर होने पर ही नया ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा।

लू के थपेड़ों के बीच यात्री कर रहे ट्रेन का इंतजार

लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में प्लेटफार्म पर बैठे यात्रियों को लू के थपेड़े की मार सहना मजबूरी है। कॉनकोर्स निर्माण के कारण प्लेटफार्म एक, तीन और चार पर शेड भी कई जगह से हटाया गया है, फुल ऐसा ही हाल प्लेटफार्मों नंबर पांच और छह का है।

वेटिंग हाल एक तो छोटे है, ऊपर से प्रति पंखा के हिसाब से यहां किराया देना पड़ता है। इसके कारण अधिकतर यात्री प्लेटफार्मों पर ही इंतजार करते हैं। यात्रियों का कहना है लू के थपेड़ों के बीच स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य से उड़ रही धूल के कारण प्लेटफार्मों पर ठहरना मुश्किल हो गया है। ट्रेनों के समय में बदलाव होने से यात्रियों को और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गर्मी में तप रहीं बसें, खिड़की वाली सीट के लिए मारामारी

सफर में आफत

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। राजधानी में भीषण गर्मी के कारण रोडवेज बसों में यात्रियों को संख्या में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। हालात ये हैं कि ट्रेनों से आने वाले मुसाफिर भी अब बसों से सफर करने से कतरा रहे हैं। कैसरबाग बस अड्डे पर यात्री खिड़की वाली सीटों के लिए धक्का-मुक्की करते नजर आ रहे हैं ताकि सफर के दौरान हवा मिलती रहे।

आलमबाग बस स्टेशन पर बलरामपुर, प्रयागराज, दिल्ली, मेरठ और झांसी जाने वाली एसी बसों में सीटें खाली पड़ी हैं। वहीं, गोरखपुर, बस्ती, देवरिया और कुशीनगर जैसे रूटों पर साधारण बसों में यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि तापमान बढ़ने से यात्रियों की संख्या में करीब 30 से 40 प्रतिशत की कमी आई है।

चौराहों पर यलो लाइट मोड

भीषण गर्मी में वाहन चालकों को सिग्नल पर रुकने की परेशानी से बचाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने कई चौराहों पर यलो लाइट मोड शुरू की है। दोपहर के समय ट्रैफिक लाइट काम होने पर कई प्रमुख चौराहों को 'यलो लाइट मोड' पर डाला जा रहा है, ताकि वाहन बिना रुके धीमी गति से सुरक्षित निकल सकें। अलीगंज चौराहा, कैट रोड, केकेसी चौराहा, नाका हिंडोला और रेलवेस्टेशन चौराहा पर यलो लाइट की व्यवस्था की गई है।

डीसीपी सार ट्रैफिक को मजबूर हैं। ज्यादा किराया चुकाने के बाद भी एसी बसों में जाने वाले एसी बसों में यात्रियों के इंतजार

मुसीबत बाल रोग विशेषज्ञ की ओपीडी में 50 फीसदी बच्चे उल्टी-दस्त-बुखार के आ रहे, डफरिन, बलरामपुर, सिविल में 14 तक के बच्चों की भीड़

बाजार के कटे फलों से रहें दूर, जकड़ रहा डायरिया

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। तेज धूप और उमस से बेहाल बच्चे पेमार हो रहे हैं। नवजात से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चे डायरिया, टीहाईड्रेशन और बुखार की चपेट में आ रहे हैं।

केजीएमयू, लोहिया संस्थान, डफरिन, सिविल, लोक बंधु, बलरामपुर, राम मनोहर मिश्र समेत अन्य अस्पतालों में बाल रोग विशेषज्ञ की ओपीडी में 50 फीसदी बच्चे शहर में पानी की कमी, उल्टी, दस्त, पेट में दर्द और बुखार के साथ पहुंच रहे हैं। इमरजेंसी में भारी संख्या में बच्चे पेमार होकर पहुंच रहे हैं। अस्पतालों में बच्चों के लिए बेड कम पड़ गए हैं। इमरजेंसी में बच्चों को जमीन पर लिटाकर इलाज करना पड़ रहा है।

विभिन्न अस्पताल में भर्ती डायरिया, टीहाईड्रेशन और बुखार पीड़ित बच्चे।

बुखार के चलते हैं। डफरिन के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान खान का कहना है कि तापमान बढ़ने से संक्रमण का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। डीहाईड्रेशन संक्रमण से पेट की

लक्षण

पेट के निचले हिस्से में दर्द, उल्टी, दस्त, सिर दर्द, मुंह सूखना और कमजोरी।

ये अपनाएं

- टीहाईड्रेशन होने पर बच्चों को ओआरएस पिलाएं
- बच्चों को साफ पानी पिलाएं
- बच्चों को छाछ, सतू व तरल चीजें दें
- खीरा, ककड़ी, तरबूज दें
- सूती व ढीले कपड़े पहनाएं
- सिर ढककर बाहर ले जाएं
- घर पर ही ओआरएस बनाकर दें

01 सौ बच्चे पानी की कमी से पीड़ित रोजाना ओपीडी में आ रहे

ये चीजें न दें

- ठंडा पानी, आइसक्रीम व अन्य चीजें न खिलाएं
- बाजार के कटे फल, व गले का जूस कतई न दें
- घर पर ही ओआरएस समय से रहा भोजन